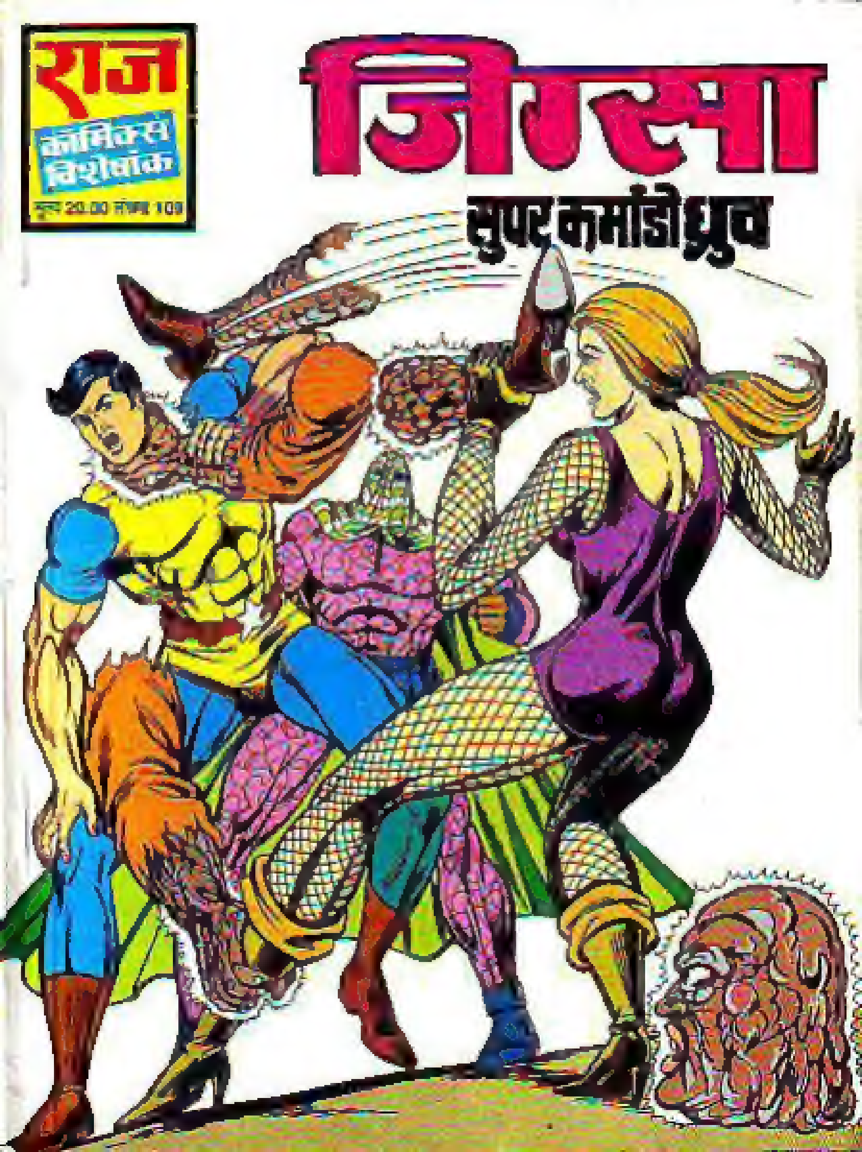
राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 109
जिग्सा
सुपर कमांडो ध्रुव

© RAJA POCKET BOOK

यह एक युद्ध था, जिसका रणक्षेत्र था-फ्रांस-
कुछ पता चला वेरा कि जिवसा ने 'रिसर्च सेन्टर' पर किस चीज के लिए हमला किया था? क्या ले गया वह वहां से?
कुछ पता नहीं चला ध्रुव! सिर्फ इतना पता है कि जिवसा वहां से एक खास और गुप्त आविष्कार उड़ाकर ले गया है। उसने उस आविष्कार से संबंधित सारे वैज्ञानिकों को मार डाला है।
इसलिए अभी तक हमको कुछ खास जानकारी नहीं मिल पाई है। वैसे दूसरे सूत्रों के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी मिल तो जाएगी, पर उसमें कुछ वक्त लगेगा।
मैं बड़ी दुविधा में फंस गया हूं! इतना तो मुझे पता चल गया है कि मेरा अतीत ल्योन में है। पर ये जिवसा बार-बार मुझे वहां पहुंचने से रोक रहा है। जिवसा का जरूर मेरे ल्योन पहुंचने से कुछ संबंध है...
...और ये संबंध जाने बगैर ल्योन जाकर भी कुछ हासिल होने वाला नहीं है।
काकातुआ शायद ऐसा कुछ जानता हो, जिससे तुमको मदद मिल सके।
काकातुआ कुछ बोल नहीं पा रहा है, वेरा! शायद अपने मालिक पर हुए हिंसक हमले के सदमे के कारण यह अपनी आवाज खो चुका है।
...पर अब भी यह हमें ल्योन की स्टेट तक जरूर पहुंचा सकता है।
फिलहाल जिवसा ल्योन में नहीं, यहीं पेरिस में ही है। पर कहां, यह किसी को नहीं पता।
मैं पता लगा लूंगा वेरा! जिवसा एक बड़ा सुबूत पीछे छोड़ गया है। अपना 'क्लिप' और उसके उड़ाने की दिशा।
उड़ने की दिशा से मुझे इतना तो पता लग ही गया है कि वह पेरिस के उत्तर-पूर्व भाग में है। और इतने बड़े क्लिप को वह आसानी से छिपा नहीं सकता।...
...वह या तो उसको कहीं निकालकर छत पर छिपाएगा, और या फिर टुकड़े-टुकड़े करके फेंक देगा। और अगर उसने इन दोनों में से एक भी काम किया तो मैं उसकी गर्दन तक पहुंच जाऊंगा!

जिग्सा को भी ध्रुव की क्षमताओं का एहसास हो रहा था–
तुझ पर भरोसा करके मैंने बहुत बड़ी भूल की थी रफ्ते ! तू ध्रुव को 'क्रशर' के हाथों मरवा नहीं पाया। उल्टे ध्रुव उसको हराकर 'रिसर्च सेंटर' तक पहुंच गया, और उसने तो लगभग मुझे पकड़ ही लिया था। अगर फ्रांस्वा वक्त पर वहां न पहुंच जाता, तो मैं तो फांसी चढ़ने के रास्ते पर चल चुका था !
हमने दुश्मन को बहुत कमजोर समझा था जिग्सा। सोचा था चींटी की तरह मसल देंगे। पर यह तो हाथी निकला। पर अब मैं...
अब तुम कुछ नहीं करोगे। अब जिग्सा ध्रुव को समझ गया है। क्योंकि मेरे पास ध्रुव से संबंधित सारी जानकारी आ चुकी है।...
अब उसका अगला कदम होगा, मुझ तक पहुंचना और मैं उसको खुद ही उस 'जिग्सा पजल' के टुकड़े पकड़ाई करूंगा, जिसको सुलझाते सुलझाते वह अपनी मौत तक पहुंच जाएगा !...
...और उस 'पजल' का पहला टुकड़ा होगा यह 'क्लिप का कतरा हुआ टुकड़ा।
और एक बार यह कांटा हमारे सीने से निकल गया तो फिर हमको कोई नहीं रोक पाएगा... फिर हमारी बंधक होगी सारी दुनिया, और हम बनेंगे अपनी कीमत !
यह कांटा तो निकल ही जाएगा, पर फिर भी मैं कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता !
मार्सेल, तुम तुरन्त ल्योन के लिए रवाना हो जाओगे ! वहां की सारी तैयारी तुम करोगी !
और अगर ध्रुव अपनी किस्मत के सहारे हमले बचकर ल्योन तक पहुंच ही गया, तो तुमको पता ही है कि तुमको क्या करना है ?
आई नो डार्लिंग। तुम फिक्र मत करो !

फिक्र करने की जरूरत तो दूसरे लोगों को थी। लगभग पांच खरब इन्सानों को—
क्योंकि मुसीबत तो उन पर ही टूटने वाली थी इस बात को जिगसा और उसके सहयोगियों के अलावा सिर्फ दो और लोग ही जानते थे—
ध्रुव और वेरा—
कल सारी रात और आज पूरा दिन तुम न जाने कहां-कहां घूमते रहे ध्रुव!
और फिर एकदम से तुम आकर कहते हो कि मैं इस रूप में तुम्हारे साथ चलूं। आखिर हम जा कहां रहे हैं?
हम जिगसा के पास जा रहे हैं, वेरा! और तुमको मैंने इसलिए साथ चलने को कहा है, क्योंकि तुम पेरिस को मुझसे ज्यादा अच्छी तरह से जानती हो!...
...और ये रूप इसलिए क्योंकि मैं किसी पुलिस वाले को साथ ले जाना नहीं चाहता।
तुमको जिगसा का पता आखिर चला कैसे?
मैं कुछ पशु पक्षियों से बात कर सकता हूं वेरा। कल सारी रात मैंने उन्हीं को उस 'क्लिप' को ढूंढने के काम पर लगाया था। और आज थोड़ी देर पहले मुझे एक चिड़िया ने आकर बताया कि वह क्लिप कहां पर है। देखो; वही चिड़िया गाड़ी के आगे उड़-कर हमें रास्ता दिखा रही है।
तुम तो कमाल के आदमी हो ध्रुव!
पर मुझे अब तक यह नहीं पता कि तुम जिगसा के पीछे-पीछे यहां तक कैसे आ गए?
तुम्हारे 'अंकल' का ये क्या चक्कर है?
वेरा के इस सवाल का ध्रुव जवाब देने ही वाला था कि तभी—
वेरा खुद ही चिहुंक उठी—
अरे! यह चिड़िया तो 'पोर्टो-हाईट' की तरफ जा रही है!
पोर्टो हाईट? उसमें ऐसी क्या खास बात है?
पोर्टो हाईट' ऊंची बर्फीली पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है ध्रुव! वहां पर सिवाय स्कीइंग के और कुछ नहीं होता।...

उम्मीद है कि वहां पर इस ठंड के मारे जम नहीं जाएंगे।
वह देखो, ध्रुव! एक कॉटेज!
चिड़िया भी वहीं पर उतर रही है। यानी यही कॉटेज हमारी मंज़िल है।
लेकिन बड़े आश्चर्य की बात है। कॉटेज तो एकदम सुनसान लग रहा है।
और तुम गोले-बारूद की बात कर रहे थे!
...घूमते कॉटेज की तरफ जाती हुई हमारी कार को उसने देख लिया होगा। यहां से हमको पैदल जाना पड़ेगा, वेरा।
आओ।
बर्फ से ढकी चट्टान पर अपने हाथों और पैरों को जमाते हुए वेरा और ध्रुव ऊपर चढ़ने लगे-
और कुछ ही देर में वे दोनों कॉटेज के पास थे-
यानी हम सही जगह पर तो पहुंच गए हैं लेकिन पंछी उड़ चुका है। क्योंकि अन्दर किसी जिन्दा आदमी के होने के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं।
फिर भी यह कोई जाल हो सकता है।
मैं चिड़िया को देखने के लिए अन्दर भेजता हूं।
लेकिन कुछ ही पलों में चिड़िया कॉटेज का चक्कर लगाकर बाहर आ गई-
चिड़िया कह रही है कि कॉटेज के अन्दर कोई नहीं है!

ओह! यानी हमारा यहां तक आना बेकार हो गया।
नहीं, वेरा! क्लिप के टुकड़े से यह तो साफ हो गया है कि जिग्सा यहीं पर उतरा था। शायद हमें कॉटेज के अन्दर हमको ऐसा कोई सूत्र मिल सके, जो हमको जिग्सा तक पहुंचा सके। आओ, कॉटेज की अंदर-पड़ताल करते हैं!
कॉटेज के अन्दर सीलन और बदबू के अलावा और कुछ भी नहीं था–
यहां तो पैरों के निशान भी नहीं मिलेंगे ध्रुव! क्योंकि इस बर्फीले इलाके में धूल होती ही नहीं है।
ऊपर देखते हैं। कोई न कोई चीज ऐसी जरूर मिलेगी, जो जिग्सा से संबंधित हो।
ऊपर पहुंचते ही–
श.श.श!
वेरा! यहां पर कोई है! चुपचाप पीछे आना।
लेकिन कैसे? चिड़िया ने तो बताया था कि अन्दर कोई भी नहीं है।
उसने शायद ठीक से नहीं देखा होगा...
आओ! देखते हैं कि यहां पर कौन है।
वैसे परछाईं से तो मुझे अहसास हो रहा है कि ये परछाईं...
...जिग्सा की है!
वेलकम ध्रुव! और तुम्हारा भी स्वागत है इंस्पेक्टर वेरा। बड़ा इन्तजार करवाया तुमने! लेकिन देर-सबेर इन्सान अपनी मौत के पास तो आता ही है!
मौत तो तेरी मैं हूं कमीने...

हाथों मेरे ... का खून करवाया था ... उस खून का जो वजन ... पर है, उसे ... हल्का कर सकता है!
शरीर एक ... के लिए हवा ...
जिग्सा, किक से बचने के लिए एक सूत भी नहीं सरक–
उसी पल ध्रुव सारा ... समझ गया–
नहीं, वेरा! रुक जाओ!
लेकिन क्रोध से ... वेरा की किक, जिग्सा की गर्दन से टकरा चुकी थी–
'कड़ाक' की एक आवाज के साथ, जिग्सा की गर्दन टूटकर हवा में उड़ गई–
वेरा की आंखें ... गई–
हा हा हा! हां, बेजान पुतला! जैसे मुर्दा बेजान होता है। जैसे अभी दो सेकंडों में तुम बेजान होने वाले हो!
... तो पुतला था!
... धक्का लगाते ... पुतले के अन्दर लगा ... फटने वाला है!
वेरा, बाहर कूदो!
दोनों के शरीर अभी हवा में ही थे–

कि तभी जिगसा का पुतला, एक कर्णभेदी आवाज के साथ फट पड़ा। और साथ ही साथ उस जर्जर कॉटेज के भी टुकड़े-टुकड़े हो गए--
बड़ाममममम
विस्फोट के उस भीषण धक्के ने ध्रुव और वेरा को भी हवा में उछालकर दूर फेंक दिया-
लेकिन ऐन समय पर कूद जाने के कारण दोनों को ही कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंची-
ओह! जिगसा को पहले से ही हमारे यहां तक पहुंचने की आशंका थी! इसीलिए उसने अपने पुतले में बम और कैसेट रखकर तैयारी कर रखी थी।
नहीं, वेरा! वह कैसेट नहीं थी! जिगसा को पहले से यह नहीं पता हो सकता था कि मेरे साथ तुम भी आ रही हो!
याद करो! उसने मेरे साथ तुमको भी 'स्वागतम' कहा था!
ओह! तुम ठीक कह रहे हो। यानी वह टेप नहीं, स्पीकर था। पर इसका क्या मतलब हो सकता है?
इसका मतलब है कि इस वक्त भी जिगसा हमको कहीं से देख रहा है! और उसको पता है कि हम बच चुके हैं।
लेकिन अब वह कुछ नहीं कर सकता ध्रुव! उसका वा तो खाली चला गया!

ध्रुव का ख्याल सही था, और
यानी आप भी मेरी तरह असफल रहे जिग्सा?
जिग्सा कभी असफल नहीं होता साले। क्योंकि जिग्सा असफलता की भी तैयारी करके रखता है। देखता जा जिग्सा का कमाल!
तुम जिग्सा के पुतले पर वार होने से पहले ही समझ गए थे कि यह पुतला है। अंधेरे में भी तुमने यह कैसे समझ लिया ध्रुव?
सबसे पहले तो जिग्सा खुद कॉन्टेक्ट में होने का खतरा कभी मोल नहीं लेता। दूसरे चिड़िया ने बता ही दिया था कि अंदर कोई नहीं है। यानी कोई जिन्दा या मुर्दा आदमी नहीं है। और तीसरा तुम्हारे वार से बचने की उसने कोई कोशिश नहीं की। तीनों बातें मिलाकर मैं सच्चाई जान गया।
कमाल है। तुम्हारा दिमाग है या कम्प्यूटर!
अब क्या करना है?
फिलहाल तो यहां से जितनी जल्दी हो, निकल लो। जिग्सा के दूसरे हमले का इन्तजार करना बुद्धिमानी नहीं है वेरा।...
लेकिन इससे पहले कि दोनों अपनी कार की तरफ बढ़ पाते-
धड़ाम
ये क्या? यह जरूर जिग्सा का दूसरा हमला है लेकिन ऊंचाई पर धमाका करने का क्या फायदा?
हमारी मौत वेरा! इन धमाकों की आवाज और विस्फोट से बर्फ खिसकनी शुरू हो जाएगी, और इधर ही बढ़ेगी...

पीछा करने लगी–
का रास्ता भी होता है

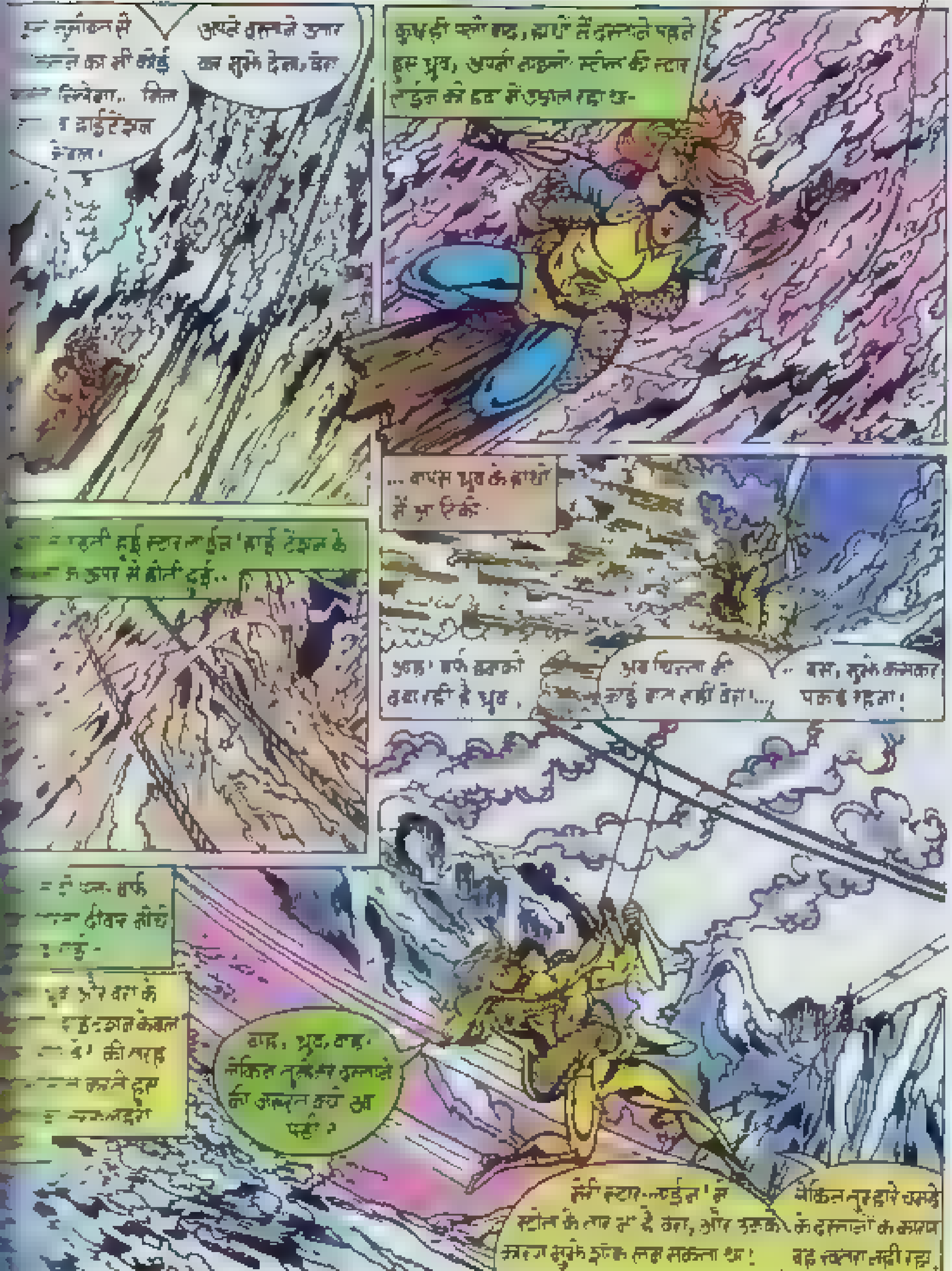

बस, मुझे कसकर पकड़े रहना!
लेकिन तुम्हारे चमड़े के दस्तानों के कारण वह खतरा नहीं रहा।

यह दृश्य देख कर जिरला, क्रोध से पागल हो गया-
सचमुच, मेरी किस्मत ही खराब रही होगी।
अब आपके ख्याल से भुब क्या करेगा, जिरला ?
धैर्य रखो तूफान! इसके बारे में मैंने पहले ही सोच रखा है पहले अपने पैरिस वाले हैड क्वार्टर पर चलो।

ये जानकारी तो गुप्त है, ध्रुव! लेकिन जिम्बा से तुम्हारे संबंध और तुम्हारे अपराध के खिलाफ अभियान को देखते हुए मैं तुमको बताने में कोई हर्ज नहीं समझता।
दरअसल, जिम्बा एक ऐसा अपराधी है, जो सिर्फ ऐसे आविष्कार और तकनीकों को ही चुराता है जो या तो प्रायोगिक चरण में हों और या पूर्णता की स्थिति में पहुंचने वाले हों।
इस बार भी उसने यही किया है। एक ऐसा आविष्कार चुराया है उसने जो लगभग पूरा हो चुका था। उस आविष्कार का नाम है...
...स्कैनब्लास्टर!
यह कोई हथियार है क्या?
हथियार ही समझो! 'स्कैनब्लास्टर' एक ऐसा यंत्र है जो ऐसी तरंगें छोड़ सकता है। इन तरंगों को किसी भी कंप्यूटर सिस्टम पर फोकस करके दूर से ही उस सिस्टम की प्रोग्रामिंग को बदला जा सकता है।
आजकल पूरी दुनिया में लगभग सभी सुरक्षा सिस्टम, जैसे मिसाइल वगैरह कंप्यूटर सिस्टम से ही जुड़े रहते हैं!
इस 'स्कैनब्लास्टर' के ज़रिए किसी भी मिसाइल सिस्टम के प्रोग्राम को बदलकर, अपने कब्ज़े में लिया जा सकता है।
यूरोप के इस भाग में अमेरिका और ब्रिटेन समेत कई देशों की आणविक मिसाइलें तैनात हैं।
स्कैनब्लास्टर के ज़रिए जिम्बा, इन सारी मिसाइलों की प्रोग्रामिंग बदलकर, उनमें अपनी प्रोग्रामिंग डाल सकता है, और इस तरह मिसाइलों को अपने कब्ज़े में कर सकता है!...
ओह! तब तो जिम्बा तक पहुंचना अब और भी ज़रूरी हो गया है। ...के हाथ में ताकत आ गई है। मुझे इजाज़त दीजिए डी. सी. पी. साहब
बेस्ट ऑफ लक, ध्रुव, कोई काम लायक जानकारी मिले तो हमको भी सूचित करना।
ज़रूर, सर!
वेरा के घर की तरफ़ जाते हुए, ध्रुव के दिमाग़ में कई सवाल उमड़ रहे थे
हम लोग कार से ही चलेंगे, ध्रुव। कोई दस बारह घंटे का रास्ता है। मैं घर से कुछ कपड़े और कैमरा लेकर तुरन्त चल दूंगी।
कैमरा क्यों?
जिम्बा को कोर्ट तक पहुंचाने के लिए सबूतों की ज़रूरत पड़ेगी ध्रुव, और ये सबूत कैमरा इकट्ठा कर सकता है!
जिम्बा ने भी फिर से अपनी चाल चलनी शुरू कर दी थी-
यह... यह क्या कर रहे हो? मुझे बांध क्यों रहे हो?
हम तुम्हें ध्रुव को खत्म करने का एक मौका और दे रहे हैं

लेकिन ध्रुव पहले ही ल्योन के लिए रवाना हो चुका था-
FILSBURG
LYON
तुम फ्रांस तक कैसे आ गए?
दोनों ने ही ध्रुव पर हमला किया -

★ डेंटल प्रिंट -दांतों के निशानों की प्रतिलिपि

ध्रुव के इस मुसीबत से भी निपटने का रास्ता खोज लिया-
और वहाँ पर स्टोर रूम में ध्रुव को मिला एक और आश्चर्य-

वह फ्रांस में ही रहता था। और उसके घायल अवस्था में मिलने के ठीक बाद मैंने एक पुलिस वाले और दो गुंडों को उसको मारने के लिए उसका पीछा करते देखा। उसकी जान खतरे में जानकर मैं उसे अपने सर्कस में छिपाकर भारत ले आया
वह ठीक तो हो गया, लेकिन सिर में अंदरूनी चोट का घाव होने के कारण उसकी याददाश्त जाती रही। वह एक कुशल कलाबाज तो बन गया। लेकिन अपनी कहानी मुझे कभी बता नहीं पाया। उसको 'श्याम' नाम भी मैंने ही दिया था...
...हूँ, तो मैं बता रहा था कि जब मुझे श्याम की संदूकची मिली तो मैंने उसे खोलकर देखा। उसमें श्याम की उसके परिवार के साथ की एक फोटो थी।
बैकग्राउंड में एक भव्य बंगला भी था।
...इसी बंगले के सहारे मैं ल्योन पहुंच पाया ताकि श्याम के परिवार वालों को ढूंढकर मैं उनको श्याम के बारे में दुखद समाचार सुना सकूं
लेकिन उस एस्टेट को ढूंढ कर...
लूका!
बस, बुड्ढे! आगे तू कुछ नहीं बता पाएगा कभी भी नहीं!
इसी स्टोर में कोई छिपा हुआ था-
जो अंकल जैकब के लिए मौत का फरिश्ता साबित हुआ-
लूका, अंकल जैकब को खत्म तो नहीं कर पाया-
आह!
लेकिन वहां से भागने में सफल जरूर हो गया।
और इस हत्या के प्रयास का इल्जाम आया ध्रुव पर-
जैकब के एक नाखून के नीचे मिले त्वचा के एक टुकड़े के डी.एन.ए. टेस्ट से यह तो साबित हो गया कि वह न तो ध्रुव की त्वचा का टुकड़ा था और न ही जैकब की त्वचा का-
लेकिन टेस्ट से यह भी पता चला कि उस त्वचा के टुकड़े का मालिक ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार था-
बाद के घटनाक्रम से यह बात पता चली कि लूका, वी. पर्ल और बुल्स आई के साथ फ्रांस की तरफ रवाना हो चुका था-
और यह जानते ही ध्रुव को लूका के पीछे-पीछे अपना अतीत जानने के लिए फ्रांस आना ही पड़ा
रास्ते में भी उसको रोकने की कोशिश की गई। लेकिन ध्रुव ने उसे विफल कर दिया-

पहुंचकर ध्रुव वहां के पुलिस कमिश्नर
ध्रुव ने इसका जवाब दिया-
ध्रुव ने इसका पीछा किया-

उस रहस्यमय लड़की का पीछा ध्रुव को एक ऐसे घटनास्थल पर ले गया, जहां पर 'डिफेंस रिसर्च लैब' में जिबला द्वारा हमला किया गया था
ध्रुव की तेज़ नज़रों ने एक सिरफिरे गुंडे को घटनास्थल से भागते देखा। ध्रुव समझ गया कि जिबला यही है। उसने गुंडे का पीछा किया—
और वहां ध्रुव की मुलाकात हुई जिबला से। घमासान लड़ाई के बाद ध्रुव ने जिबला को पकड़ लिया लेकिन उसी वक्त घटनास्थल पर आ गया प्रताप।
मैं ही वह पुलिस वाला हूं ध्रुव, जिसको जेबरा के गुंडों से बात करते सुना था।
मैंने और जिबला ने ही उस पुलिस वाले की हत्या करके रघुबीर को फंसाया था अब तुझे भी तेरे बाप के पास ही भेज दूंगा
लेकिन प्रताप ऐसा कर नहीं सका—
क्योंकि वह रहस्यमय लड़की वहां घटनास्थल पर पहुंच गई थी—
मैं इंस्पेक्टर स्टीव हूं कमिश्नर, और मेरे पुलिस बैंड ट्रांसमीटर के ज़रिए तुम्हारा बयान हर पुलिस चौकी और हर पुलिस कार में सुना जा चुका है।
जिबला तो भाग चुका था, पर कमिश्नर प्रताप अपनी स्थिति से बचकर भाग नहीं सका—
उसने ध्रुव को मारने की कोशिश की—
मौत की नींद सुला दिया—

मुझे काफी सोचने के बाद भी एक बात समझ में नहीं आई।
इतने सालों तक तो मुझे न अपना अतीत पता था, और न ही मैंने उसे कभी जानने की कोशिश की थी।
कार्टल नीचे गिरा दो लूका! और फिर उड़ चलते हैं ल्योन की तरफ।
ये ल्योन पहुंचने का छोटा रास्ता है ध्रुव
'हाईवे' बन जाने के बाद अब कोई इसका इस्तेमाल नहीं करता
शुक्रिया ध्रुव
जिंगाला, और साथ में लूका भी है

इस बक्से में क्या है, ध्रुव ? बम ?
इसके अन्दर कुछ और है। देखो, बक्सा अपने आप खुल रहा है
बक्सा खुल रहा है ध्रुव ! नहीं ! कोई उसे खोल रहा है.
ओ गॉड, ये ये क्या है ?
मैं समझ गई ध्रुव, इसकी हालत देखकर मुझे वह गुप्त रिपोर्ट याद आ गई जो लगभग तीन माह पहले हमारे पास इंटरपोल से आई थी।

के एक अमेरिकी लैब से
तकनीक को चुराया था, जो
इंसान को 'रेडिएशन युक्त प्राणी'
सकती थी इससे उस प्राणी में
शक्तियां आ सकती हैं लेकिन
क्या थीं, इसका उस रिपोर्ट
नहीं था
के प्रयोग से सात्रे को
हथियार में बदल
दिया है
और सात्रे का शरीर एक पेड़ से जा टकराया—
कुछ क्षणों तक सात्रे अपना सन्तुलन
उस पेड़ से चिपका रहा—
ठूंठ में बदल गया—
इसलिए इसको मैं इस पेड़ से ही बांध देता हूं
पुलिस रिवाल्वर भी है।
अरे! इसके शरीर को नुकसान पहुंचाए इसके शरीर से आर-पार हो रही है
जैसे... जैसे इसका शरीर किसी लिजलिजे द्रव से बना हुआ हो यानी रेडिएशन ने इसके शरीर को 'जैली' जैसा बना दिया है

इन पर तो गोलियों का कुछ भी असर नहीं हुआ!
असर होना भी नहीं था। क्योंकि
बचो, वेरा।
इस बार ध्रुव की बारी थी वेरा की मदद करने की–
और वेरा की जान में फिर जान आ गई–

कोई न कोई रास्ता तो जरूर... वह बक्सा! जिसमें बन्द करके जिरगा ने इसको नीचे गिराया था। यही वह रास्ता है
तुम्हारा मतलब है कि हम इसको वापस बक्से में बन्द कर दें?
और इसके लिए हमको इस पर संयुक्त हमला करना पड़ेगा
मैं समझ गया ध्रुव।
क्योंकि साबू भी उसकी स्कीम को समझ गया था—
लेकिन उनकी मंशा पूरी नहीं हो सकी—
ओह, अब हम क्या करेंगे ध्रुव?

लेकिन मेरे पास रिवॉल्वर के
अलावा 'पुलिस तोड़क' भी है,
जो इसके टुकड़े-टुकड़े कर

कत्ल के बाद अलग अलग होकर भी इनके अंग हम पर हमला कर रहे हैं

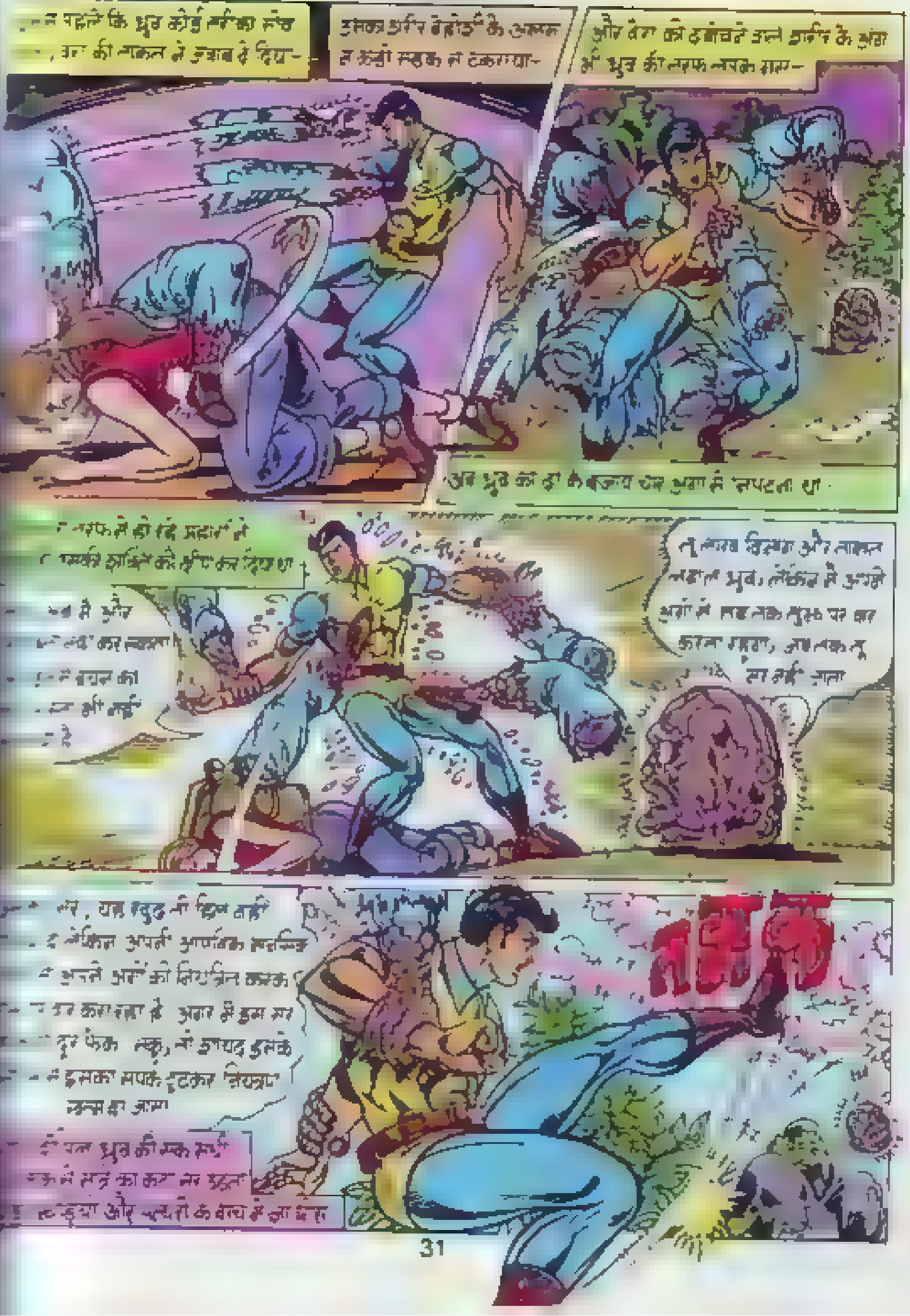
और वेग को दबोचते उसने शरीर के अंग में ध्रुव की तरफ लपके गए—
तू ताकत दिखा और ताकत लगा ले ध्रुव, लेकिन ये अपने अंगों से जब तक मुझ पर वार करता रहेगा, तब तक तू मर नहीं जाता

लेकिन ध्रुव के इस वार से उस पर हो रहे हमले में कोई फर्क नहीं पड़ा
ओह! नागे के सिर के चट्टान के पीछे गिरने से भी कोई फर्क नहीं पड़ा। अपने अंगों से उसका आणविक मानस सम्पर्क नहीं टूटा है। क्योंकि झाड़ियां और चट्टान आणविक किरणों को रोक नहीं पा रही हैं!
आणविक किरणों को सिर्फ 'लेड' की चादर ही रोक सकती है और लेड की सारी चादरें सारे के पहले ही नष्ट हो चुकी हैं
और अब इन अंगों से संघर्ष करने की शक्ति बची है, और न ही इन मुसीबत से बचने का कोई रास्ता सूझता।
आह!
अब मुझे अपनी सारी बची-खुची शक्ति को समेटकर नागे के कटे सिर के पास पहुंचना होगा
ध्रुव अपनी सारी ताकत का प्रयोग करके नागे के सिर तक पहुंचा—
वेरा का कैमरा। यह शायद मेरी मदद कर सके।
लेकिन कैमरा की मदद से ध्रुव आखिर करना क्या चाहता है?
हा हा हा! मरते वक्त मेरा चेहरा देखना चाहता है। ध्रुव? देख ले, देख ले
तू भी मेरी शक्ल देख ले नागे क्योंकि इसके बाद पता नहीं तू कुछ देख पाए या नहीं!
ध्रुव के एक ही प्रहार से कैमरा चकनाचूर हो गया
और—
मेरा सोचना ठीक निकला कुछ आधुनिक कैमरों की तरह इस कैमरे में भी लेड की लाइनिंग है, और यह लाइनिंग इसके मस्तिष्क को ढकने के लिए पर्याप्त है। एक बार इसका मस्तिष्क लेड की चादर से ढक गया तो फिर आणविक मानस तरंगें निकलनी बन्द हो जाएंगी...

★ लाइनिंग : सुरेश पर्व

संपर्क टूट जाएगा
ध्रुव तुमने
कर दिया था कैसे ?
और उसका संपर्क
कर पानी बन गए
अच्छा हुआ

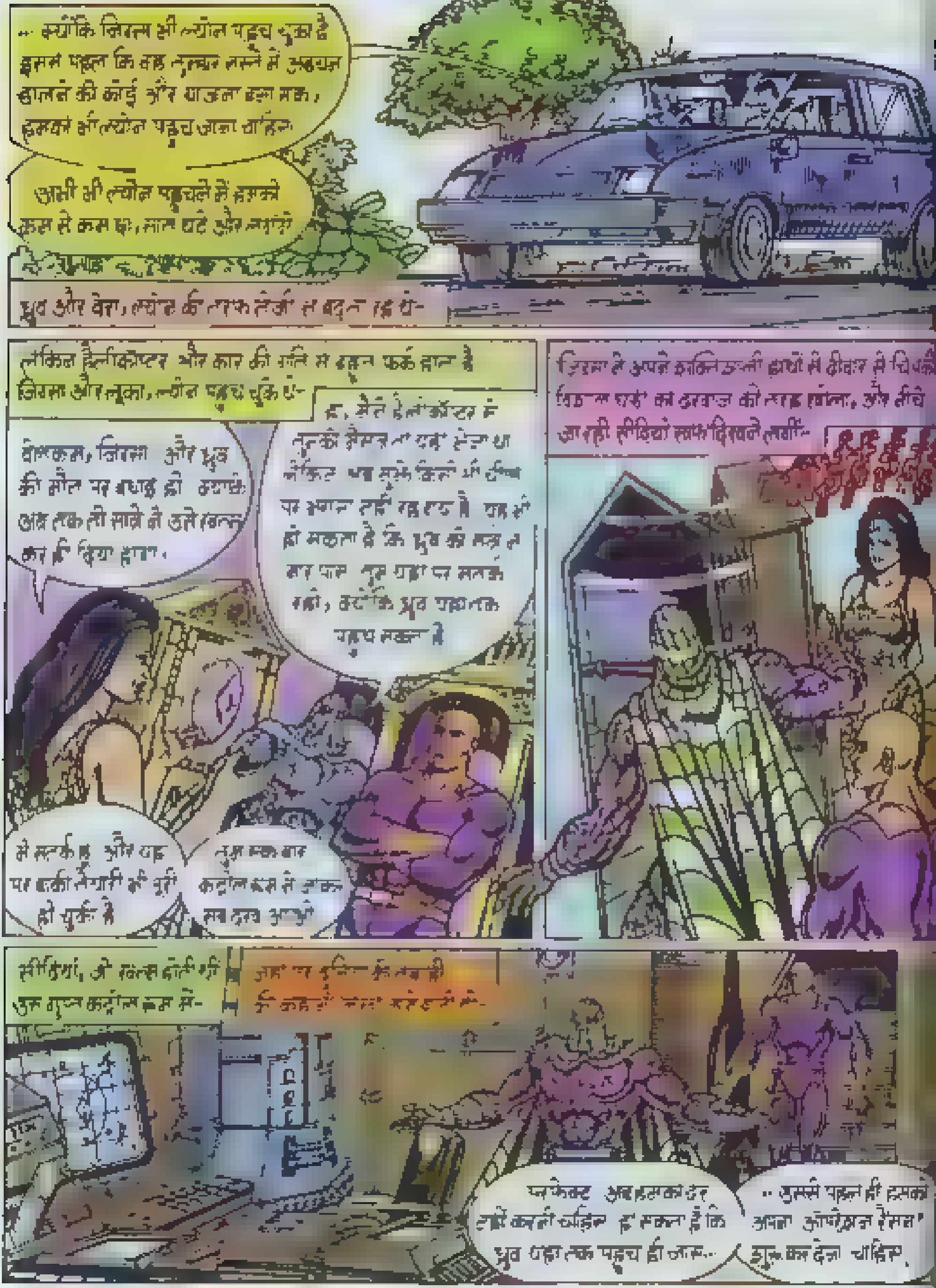
अभी भी ल्योन पहुंचने में हमको कम से कम छः, सात घंटे और लगेंगे
ध्रुव और वेरा, ल्योन की तरफ तेजी से बढ़ रहे थे-
लेकिन हेलीकॉप्टर और कार की गति में बहुत फर्क होता है जिगमा और लूका, ल्योन पहुंच चुके थे-
ध्रुव यहां तक पहुंच ही जाए...
...उससे पहले ही हमको अपना 'ऑपरेशन' शुरू कर देना चाहिए.

मिसाइलें हमारे काबू में नहीं रहेंगी
ATTENTION MR PRESIDENT

ध्रुव

हां, सालिहा, लेकिन अब तुम इस पर बहस मत करना। इंस्पेक्टर वंश ने अभी-अभी बताया है कि रघुवंशी निर्दोष था, उसे फंसाया गया था, बेचारा निर्दोष साबित होने से पहले ही इस दुनिया से चल बसा।
रघुवंशी मर गया? मर गया मेरा भाई?
बीती बातें सोचकर दुखी मत हो, आज तो खुशी का दिन है
हमारा भतीजा पहली बार अपने घर में आया है।
आप जिवसा के बारे में कुछ कह रही थीं?
हां, जिवसा, वह इसी इलाके का एक बदनाम शख्स था। इस स्टेट पर कब्जा करना चाहता था, लेकिन रघुवंशी ने उसकी सारी चालें विफल कर दीं। जरूर इसीलिए उसने रघुवंशी को हत्या के आरोप में फंसा दिया होगा।
और यह लड़का कौन है?
लूका... लूका हमारा बेटा है।
तुम्हारा बड़ा भाई, लेकिन वह भी अब न होने के बराबर है
ऐसा क्यों?
जिवसा ने उसको अपने जाल में फंसाकर उसको भी अपने जैसा बना दिया है। वह अब हमारे साथ नहीं, जिवसा के साथ ही रहता है
और अब जिवसा उसके जरिए इस स्टेट पर कब्जा करना चाहता है!
ओह, शायद तभी लूका ने मुझे मारने की कोशिशें कीं। उसको किसी तरह से मेरे बारे में पता चल गया होगा...
...और वह जायदाद में हिस्सेदार नहीं चाहता होगा। इसीलिए जिवसा और लूका मेरे पीछे पड़ गए और मुझे स्पेन आने से रोकने लगे
ध्रुव ने अपने-आप ही सर्बिल को घूर देखने की मुसीबत से छुटकारा दिला दिया था—
ओह! तुम पर भी हमला हुआ! जरूर यह जिवसा की ही साजिश होगी, जिसने उसने लूका द्वारा अपना मोहरा बनाया है
यह आवाज?
ओह, मेरे 'पेजर' पर कोई मैसेज आ रहा है!
पेजर पर मैसेज पढ़ते ही वेरा चौंक उठी—
ध्रुव, इधर आओ! मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है।
अभी-अभी पेजर पर 'पुलिस मैसेज' आया है कि जिवसा ने 'स्पेनबैंक' से सोलह की सारी तिजोरियों को अपने कब्जे में ले लिया है, और डेढ़ घंटे के अन्दर पचास मिलियन डॉलर का सोना मांगा है
ओह, लेकिन जिवसा ने हेलीकॉप्टर में जाते हुए कहा कि वह स्पेन आ रहा है यानी यहां पर

हूं, पुलिस डिपार्टमेंट भी यह जानता है कि जिस्सा फ्रांस में ही है। इसलिए ऑर्डर आया है कि हर पुलिस वाला जिस्सा की तलाश में जुट जाए
ठीक है, जिस्सा ल्योन में ही है। और ल्योन में रह चुकने के कारण तुम्हारे यहां पर काफी सम्पर्क होंगे। तुम अपनी तलाश शुरू कर दो। मैं यहां पर सब निपटाकर तुम्हारा साथ देने आता हूं
और, तुरन्त जिस्सा की तलाश में वहां से रवाना हो गई –
वह इंस्पेक्टर कहां गई ध्रुव?
वह पहले ल्योन में ही रहती थी। अपने जान-पहचान वालों से मिलने गई है।
मैं तो आप लोगों के बारे में बिल्कुल अनजान हूं नाईजी। आप दोनों और लूका के अलावा मेरे परिवार में और कौन-कौन है?
तुम्हारे दादा हैं ध्रुव। उनके सिर्फ दो ही बेटे थे। एक तुम्हारे पिता रघुवंशी, जो अब नहीं रहे, और दूसरे बड़े भाई रघुपति, जो ... हैं
तो... दादाजी अब कहां हैं?
रघुवंशी पर अचानक हमले का आघात लगा और उनके ... की ... दादाजी की ... रहने लगी थी...
... और फिर लगभग पांच साल पहले उन पर भयानक ... 'पैरालिसिस' का अटैक पड़ा, और तब से वे न हिल सकते हैं, और न बोल सकते हैं।
वैसे मैं उनकी देखभाल करती हूं और जब मैं यहां नहीं रहती तो किसी नर्स को बुला लेती हूं। वे ऊपर कमरे में रहते हैं।
ऊपर कमरे में हैं? मैं जरूर उनसे मिलना चाहूंगा!
हां, क्यों नहीं
आओ
ये रहे।
दादाजी
इस बूढ़े के ठीक होने ... इन पर दबाव डालकर अपने ... करवा सकने की ... न होगी, तो इसको कभी ... के लिए छोड़ दिया होता

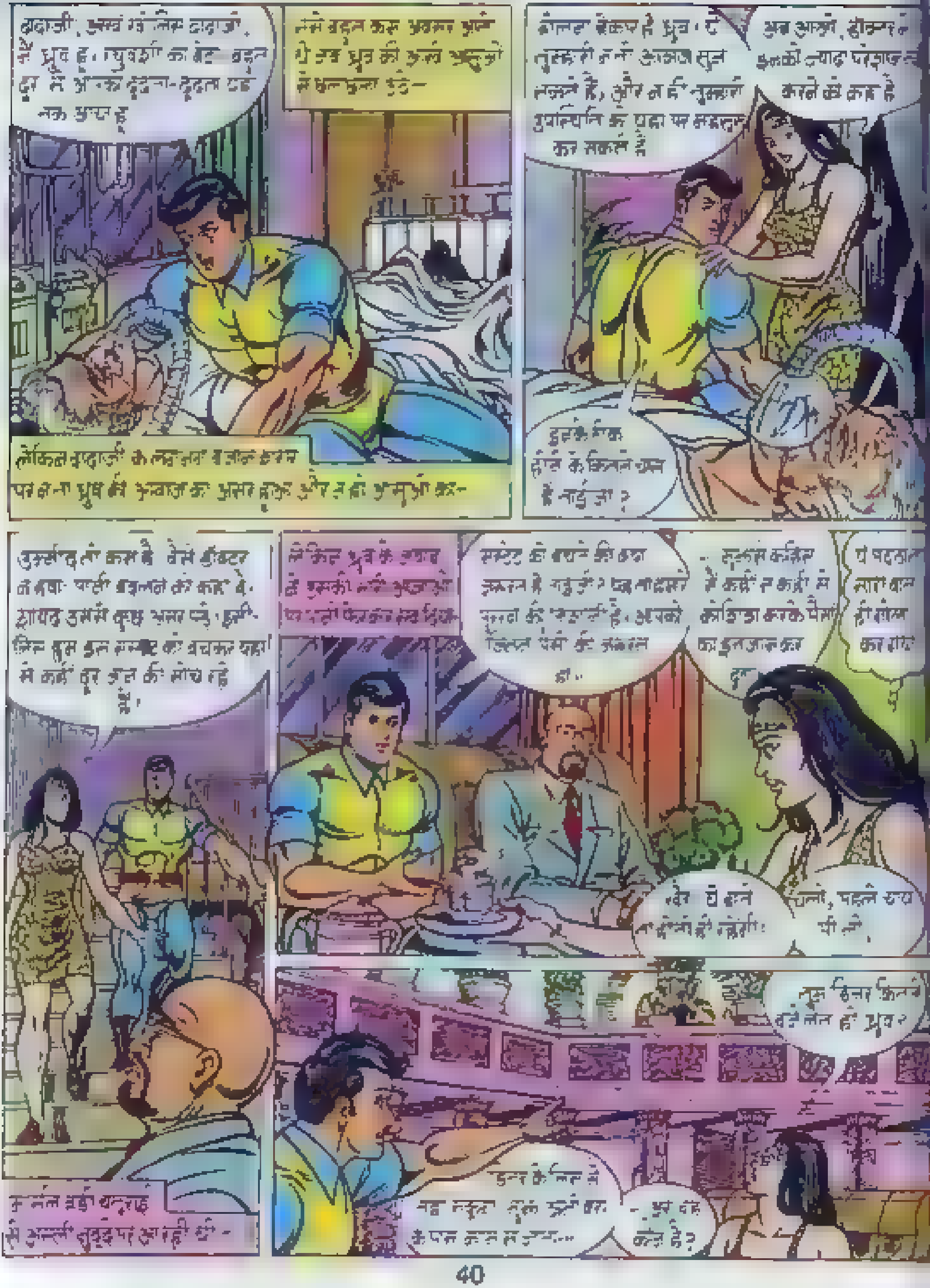
चलो, पहले चाय पी लो।

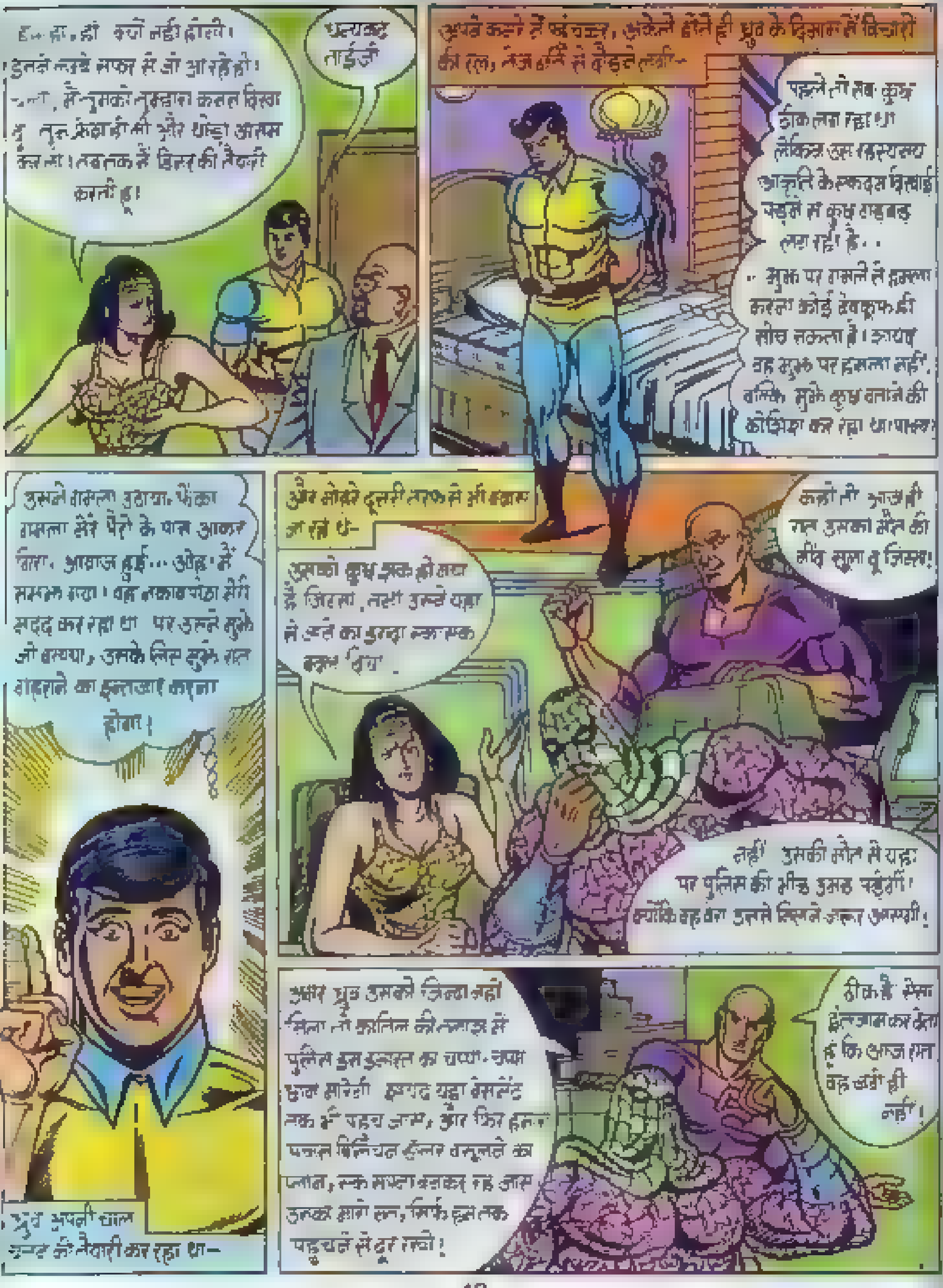
क्यों नहीं होती। इतने लम्बे सफर से जो आ रहे हो। मैं तुमको तुम्हारा कमरा दिखा दूं ... थोड़ा आराम कर लो। तब तक मैं डिनर की तैयारी करती हूं।
धन्यवाद ताईजी
अपने कमरे में पहुंचकर, अकेले होते ही ध्रुव के दिमाग में विचारों की रेल, तेज गति से दौड़ने लगी—
पहले तो सब कुछ ठीक लग रहा था लेकिन उस रहस्यमय आकृति के एकदम दिखाई पड़ने से कुछ गड़बड़ लग रही है.. मुझ पर सामने से हमला करना कोई बेवकूफ ही सोच सकता है। शायद वह मुझ पर हमला नहीं, बल्कि मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा था
उसने गमला उठाया, फेंका गमला मेरे पैरों के पास आकर गिरा, आवाज हुई... ओह! मैं समझ गया। वह नकाबपोश मेरी मदद कर रहा था पर उसने मुझे जो बताया, उसके लिए मुझे रात गहराने का इंतजार करना होगा!
ध्रुव अपनी चाल चलने की तैयारी कर रहा था—
और कोठी के दूसरी तरफ से भी षड्यंत्र जा रहे थे—
कहो तो आज ही रात उसको मौत की नींद सुला दूं जिस्का!
उसको कुछ शक हो गया है जिस्का
नहीं! उसकी मौत से यहां पर पुलिस की भीड़ जमा हो जाएगी।
और ध्रुव उसको ज़िन्दा नहीं मिला तो कातिल की तलाश में पुलिस इस इलाके का चप्पा-चप्पा छान मारेगी। शायद यहां बेसमेंट तक भी पहुंच जाए, और फिर प्लान, एक सपना बनकर रह जाएगा। सिर्फ इसे तक पहुंचने से दूर रखो!
ठीक है ऐसा इंतजाम कर देता हूं कि आज रात वह जगे ही नहीं!

• ... जानने के लिए पढ़ें खूनी खानदान

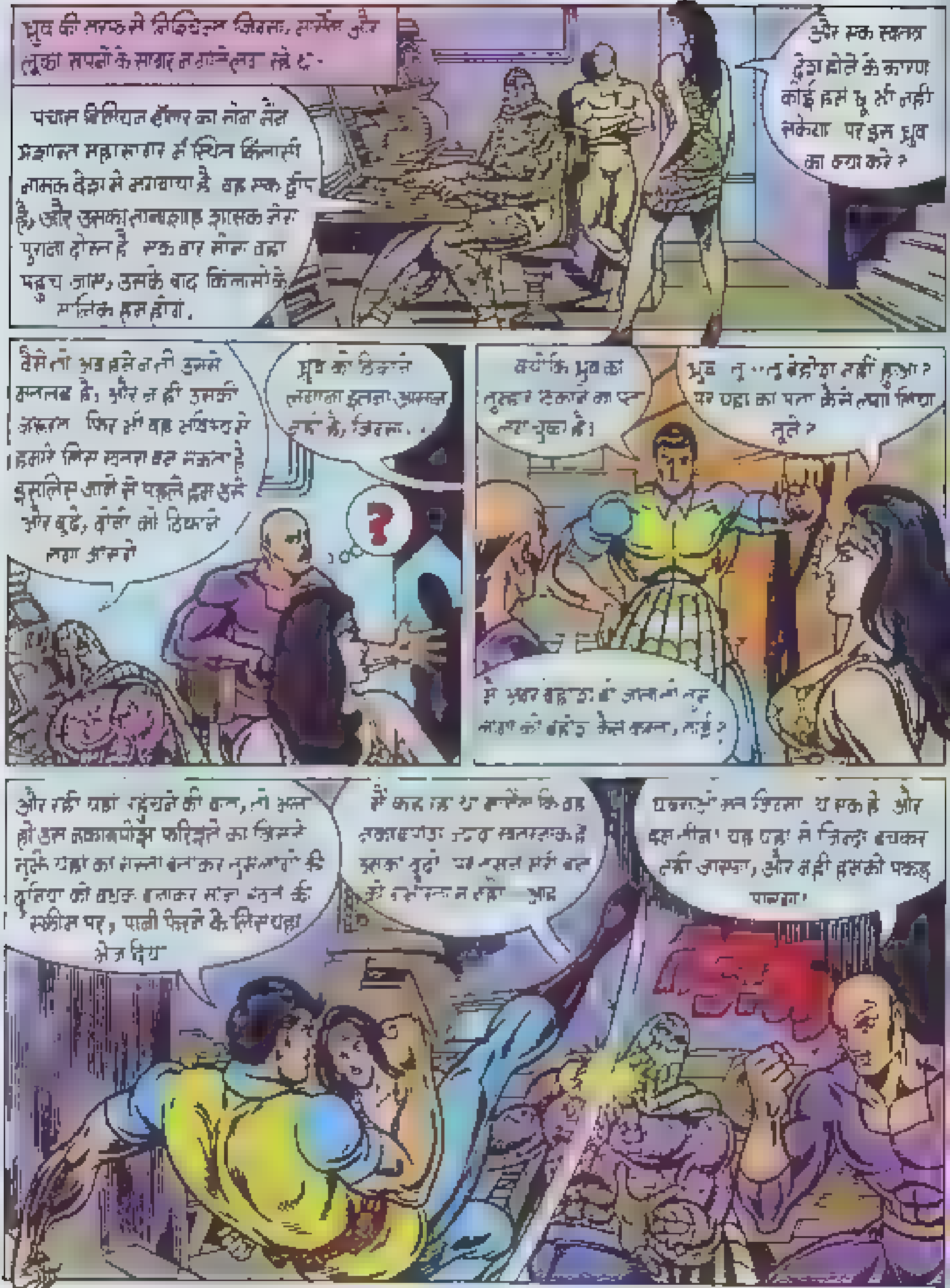
पचास मिलियन डॉलर का सोना
और एक स्वतंत्र देश होने के कारण कोई हमें छू भी नहीं सकेगा पर इस ध्रुव का क्या करें ?
क्योंकि ध्रुव का तुम्हारे ठिकाने का पता लगा चुका है।
तूने ?
भेज दिया

अभी मैं तुम लोगों को पकड़ने की
फिलहाल
इरादा तुम लोगों की मशीनें तोड़ने
है क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि ये
मशीनें ही तुम लोगों की शक्ति का
सेंटर है
इसे रोको, तुरंत, रोको।
ध्रुव को पकड़ पाना इतना मुश्किल नहीं था–
तो इतना आसान भी नहीं था।
केवल उस 'कंट्रोल सेंटर' में कलाबाजी खाने के लिए
जगह नहीं थी–
और ध्रुव के दुश्मन, तीन तरफ से वार कर रहे थे–
इस संकरी जगह से मुझे फुर्ती दिखाने में थोड़ी दिक्कत हो रही है।
ये लोग मिलकर मुझ पर हावी तो हो सकते हैं, लेकिन उससे पहले मैं दुनिया को बचाने का इंतजाम जरूर करूंगा।
इस कंट्रोल सेंटर को नष्ट कर,

* यह जानने के लिए पढ़ें 'खूनी खानदान'

ओह! जिग्सा ने काकातुआ को पकड़ लिया है और अगर मैं नहीं रुका तो यह निश्चित रूप से इसकी गर्दन मरोड़ देगा...
...नहीं! काकातुआ ने दो बार मेरी मदद की है और अब मेरी बारी है इसकी मदद करने की
लो, जिग्सा
अब मैं इसकी खोपड़ी के टुकड़े हवा में उड़ते देखना चाहती हूं।
इसको टॉर्चर रूम में ले चलो।
कुछ ही देर बाद, ध्रुव को बलि चढ़ाए जाने वाले बकरे की तरह बांध दिया गया था—
तू शुरू से हमारा नुकसान पर नुकसान करता आ रहा है ध्रुव!
पर तूने सिर्फ कंट्रोल-पैनल को नुकसान पहुंचाया, जबकि असली चीज तो ' ' है और वह जहां पर फिट है, वहां तक पहुंचना तो तुम सोच भी नहीं सकते.

यह या तो मेरे कुछ खास लोग जानते हैं और या फिर भगवान। इसी 'हाइड्रोलिक प्रेशर' से चलने वाले 'पंपिंग-किलर' का दरवाजा बन्द होगा। कीलें तेरे शरीर में धीरे-धीरे धंसेंगी। खून के फव्वारे एक साथ फूटेंगे और तेरे मुंह से कई सारी चीखें एक-एक करके निकलेंगी।
...उसके बाद तू स्वर्ग की दहलीज के पास पहुंच जाएगा, वहीं से पूछ लेना कि कौन है विशाल।
'हाइड्रोलिक प्रेशर' धीरे-धीरे बढ़ने लगा और दरवाजा बंद होने लगा—
कीलें, ध्रुव के शरीर को छेदने के लिए बेताब होने लगीं—
दरवाजा कहीं अटक रहा है विशाल!
अटक नहीं रहा है, ध्रुव का बदन उसे रोक रहा है। कीलें इसके शरीर के अंदर घुसने का रास्ता नहीं ले पा रही हैं।
और फिर दरवाजा एक तेज आवाज के साथ बंद हो गया
और साथ ही गूंज उठी ध्रुव की एक तेज चीख—
हा हा हा! देखा कितनी जोरदार चीख थी, मजा आ गया।
अब जरा दरवाजा खोलकर इसकी भुनी हुई लाश देख... उं
ऊपर से आवाज आ रही है...
...फर्श पर कोई चल रहा है। कौन हो सकता है यह?
जरूर वह नकाबपोश होगा। चलो जल्दी कंट्रोल रूम में चलें, कहीं वह हमारे पीछे से कुछ तोड़-फोड़ न कर डाले।
नीशा, ध्रुव की लाश का नजारा देखना भूलकर—
कंट्रोल रूम में पहुंच—
यहां तो कोई भी नहीं है।
अब चलने की आवाज भी नहीं आ रही है।
कालू, तुम ऊपर जाकर देखो, और अगर कोई हो तो फिर उसे संभाल लेना।

लेकिन इससे पहले कि नागमैन ऊपर जाने के लिए कदम बढ़ाती—
TIRE
अपने आप नहीं, नाईजी, इसको मैं लेकर आ रहा हूं!
अरे 'पंचिंग किलर' का दरवाजा अपने-आप उड़ता हुआ कैसे आ रहा है?
धुव
तुम्हारा 'कंट्रोल पैनल' एक ही वार में नष्ट करने के लिए!
आह
दरवाजे की कीलें, कन्ट्रोल पैनल में अलग-अलग स्थानों पर धंसती चली गईं और पूरा पैनल शार्ट सर्किट से चमक उठा—
तू बच कैसे गया? ...तो तेरी चीख नहीं थी
यह कमाल उस एसिड कैप्सूल का है, जिम्बा, जिसको मैंने बंधने से पहले अपनी बेल्ट से निकालकर अपने मुंह में रख लिया था।
—उस वक्त मैं दरवाजे को अपनी बेल्ट से लम्बे स्टार से अड़ाकर दरवाजे को रोके हुए था।
और जब तक दरवाजा अटका हुआ था तब तक मैंने अपने दांतों से कैप्सूल को दबाकर एसिड की धार से तुम्हारे 'पंचिंग किलर' की पीछे की दीवार को काट डाला था।
तुम्हें नाईजी की वह बात ध्यान रखनी चाहिए थी जिम्बा, जब इन्होंने कहा था कि दरवाजा अटक रहा है ...

दुनिया पर आए खतरे को टालने वाला अपने ऊपर आए खतरे को टालने की कोशिश कर रहा था–
कौन–

लुका और मार्शेल भी समझ गए कि अब यहां रुककर लड़ाई करने का कोई फायदा नहीं है
आह!
इससे पहले कि ध्रुव, लपककर लुका, मार्शेल या जिस्सा को रोक पाता-
वे तीनों एक दरवाजे में घुस चुके थे-
दरवाजा बंद कर दो!
ध्रुव के दरवाजे तक पहुंच पाने से पहले ही दरवाजा बंद हो चुका था-
आह! बड़ा मजबूत दरवाजा है।
दरवाजा तोड़ने में समय बर्बाद मत करो ध्रुव! वे अवश्य इस रास्ते से ऊपर ही गए होंगे
हम दूसरे रास्ते से ऊपर जाकर उनको पकड़ सकते हैं
तुम ठीक कह रही हो, आओ!
लेकिन तुम एकाएक यहां पर कैसे आ गईं?
मैंने इस इलाके में बहुत पूछताछ की। पहले तो कुछ पता नहीं चला, फिर मुझे हेलीकॉप्टर का ख्याल आया। हेलीकॉप्टर के बारे में पूछताछ की तो एक आदमी ने बताया कि उसने एक हेलीकॉप्टर को इसी एस्टेट के अन्दर उतरते देखा था...

मैं अभी-अभी यहां पर आई, तुमको सावधान करने के लिए, लेकिन यहां पर तो सन्नाटा पड़ा हुआ था, थोड़ी देर तक तो मैंने इधर-उधर तलाश की, लेकिन कोई नजर नहीं आया . .
... मैं अपने कमरे में ही थी कि न जाने एक नकाबपोश कहां से आ गया। इससे पहले कि मैं उस पर हमला करती, उसने मुझे शांत रहने का इशारा करके इस घड़ी के पीछे से नीचे जाने का रास्ता दिखा दिया।
और फिर, जब मैं नीचे पहुंची तो उसके बाद की बात तो तुम जानते ही हो
हां, लेकिन अब यह कैसे पता चलेगा कि इतनी बड़ी स्टेट में वे लोग कहां पर छुप कर निकले हैं?
कहीं वे इसी हेलीकॉप्टर के जरिए भाग न निकले।
हेलीकॉप्टर से वे भाग नहीं सकते क्योंकि यहां आने से पहले मैंने इस हेलीकॉप्टर को ढूंढकर उसकी सुरक्षा पर कुछ पुलिसवालों को वहां पर तैनात कर दिया था
अब इनको काफी देर तक इसी स्टेट में रहना...
अरे! यह आवाज़ कैसी थी?
ऐसा लगा जैसे कुछ टूटा हो और साथ में कोई धड़ाम से गिरा हो। आओ! आवाज़ उधर से आई है
ध्रुव और वेरा आवाज़ की दिशा का पीछा करते हुए—
जहां पर एक आश्चर्य उनका इंतज़ार कर रहा था—
जिग्सा, यह तो जिग्सा है!

दरवाजा खुला हुआ है, और फर्श पर कई पैरों के बाहर जाने के निशान हैं। ज़रूर यह काम मार्सेल और लुका का है। वे समझ गए होंगे कि पुलिस अब जिबला का पीछा नहीं छोड़ेगी, और जिबला के कारण वे लोग भी खतरे में फंस जाएंगे।...
... इसीलिए उन लोगों ने ... किया जिबला के सिर पर ... ताकि जिबला ... हो जाए, और वे लोग आराम से कहीं छुप सकें।
हो सकता है कि तुम्हारी थ्योरी सही हो ध्रुव।
लेकिन पहले यह तो देखा जाए कि यह जिबला आखिर है कौन?
ध्रुव के हाथ जिबला के मास्क को सरकाने लगे-
और सच्चाई ध्रुव के दिल पर हथौड़ा बनकर गिरी-
यह... यह तो मेरे ताऊ हैं ध्रुव।
रघुपति।
ये... ये ही जिबला हैं। ओह!
ओह! यह तो हम लोगों को पहले ही समझ जाना चाहिए था।
मार्सेल और लुका इसीलिए इसके प्रति वफ़ादार थे। क्योंकि एक इसकी बीवी थी, और दूसरा इसका बेटा। ... रघुवंशी को भी इसने इसीलिए रास्ते से हटा दिया होगा, क्योंकि वे और मेरे पिता ... सच्चाई के काफी करीब पहुंच गए होंगे।
हूँ, जो कुछ हम देख रहे हैं, उस पर तुम्हारी एक-एक बात खरी उतरती है ध्रुव, लेकिन इसके बाद लकड़पोश कहाँ फिट होता है?
मालूम नहीं! लेकिन एक बार पुलिस आकर पूरी इमारत की तलाशी लेगी तो वह लकड़पोश भी मिल जाएगा और उसकी असलियत भी पता चल जाएगी।
मैं पुलिस को मैसेज भेजकर बुला लेती हूं।

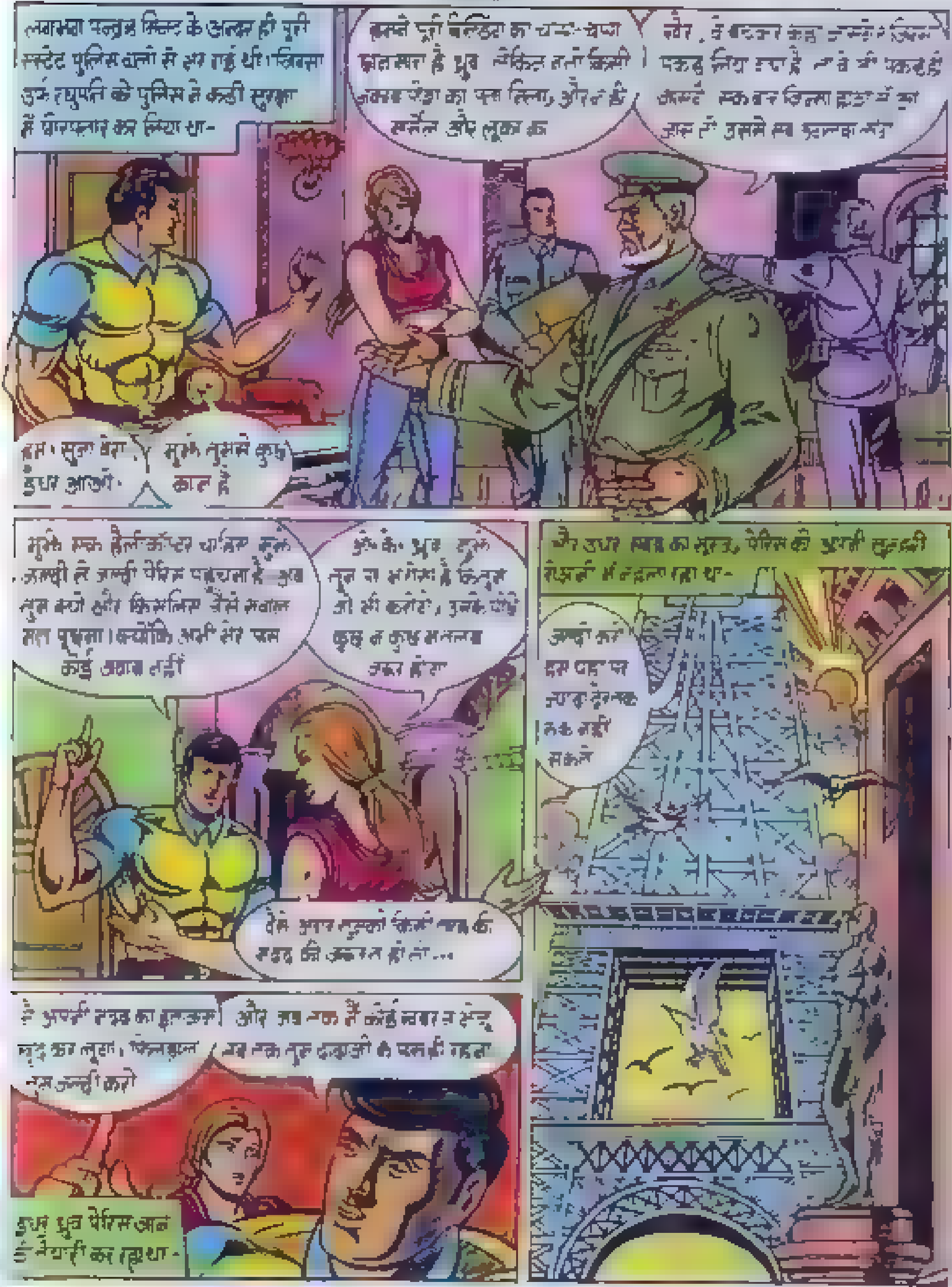
लगभग पन्द्रह मिनट के अन्दर ही पूरी स्टेट पुलिस वालों से भर गई थी। जिम्सा उर्फ रघुपति को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में गिरफ्तार कर लिया था-
हमने पूरी बिल्डिंग का चप्पा-चप्पा छान मारा है ध्रुव लेकिन हमें किसी ... का पता मिला, और न ही मर्सेल और लूका का
मुझे तुमसे कुछ काम है
मुझे एक हेलिकॉप्टर चाहिए जल्दी से जल्दी पेरिस पहुंचना है ... तुम क्यों और किसलिए जैसे सवाल मत पूछना। क्योंकि अभी मेरे पास कोई जवाब नहीं
... जो भी करोगे, उसके पीछे कुछ न कुछ मतलब जरूर होगा
और उधर ... पेरिस की ... में ... रहा था-
... नहीं सकते
... जल्दी करो
ध्रुव पेरिस आने की तैयारी कर रहा था-

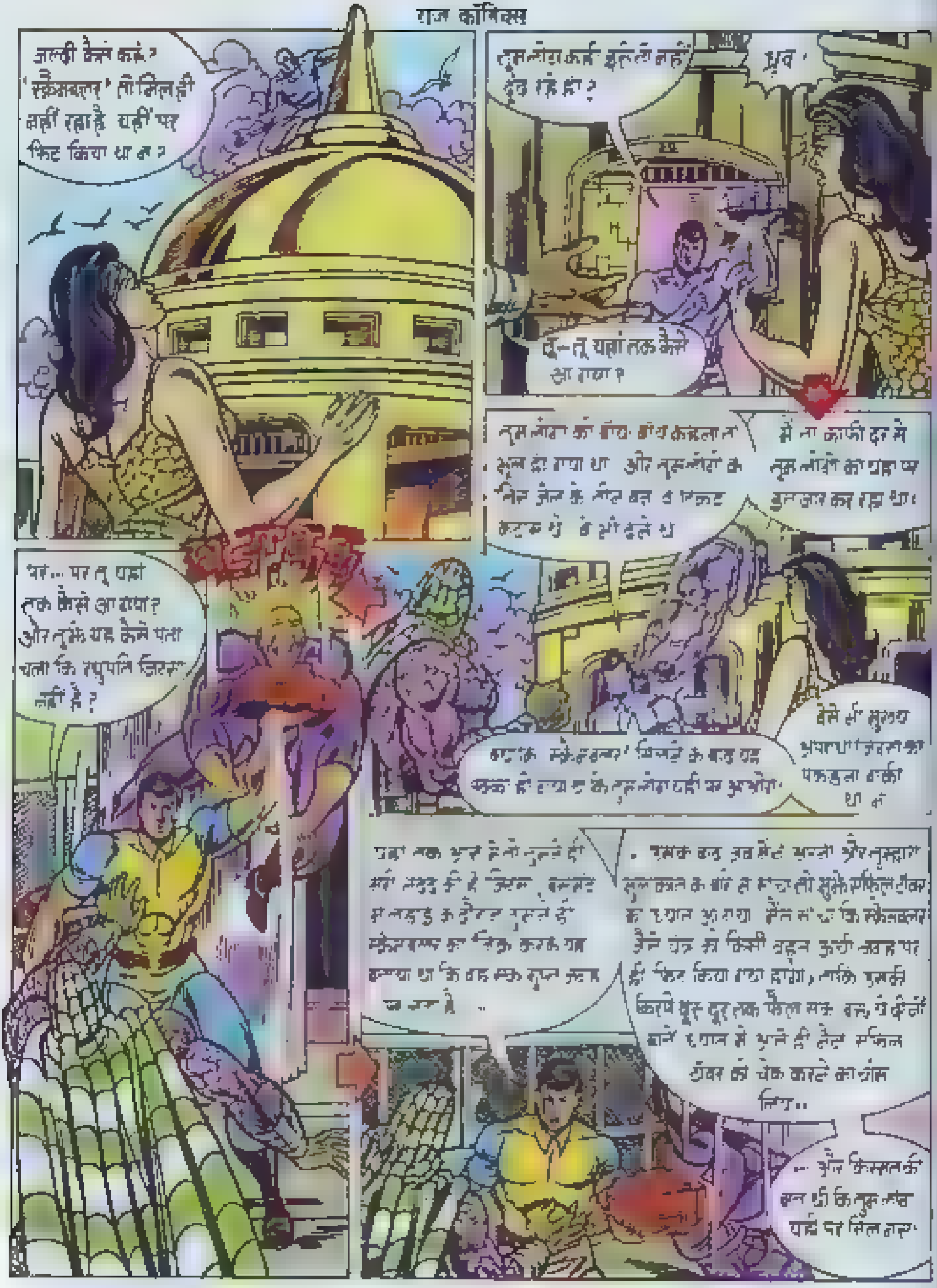
जल्दी कैसे करें? 'स्कैनबल्ब' तो मिल ही नहीं रहा है. यहीं पर फिट किया था न?
ध्रुव!
तु-तू यहां तक कैसे आ गया?
पर... पर तू यहां तक कैसे आ गया? और तुझे यह कैसे पता चला कि

और रही यह समझने की बात कि मेरे ताऊ रघुपति जिन्दा नहीं थे, बल्कि बनाए गए थे। तो जब मैं तुमसे बेसमेंट में लड़ रहा था तो मैंने एक-दो घूंसे तुम्हारे सिर पर भी लगाए थे। और उस समय मुझे तुम्हारे सिर पर बालों के होने का अहसास हो गया था...
... और ताऊजी के सिर पर बाल तो क्या, बाल का एक रोयां तक नहीं है। बस इतना यह समझने को काफी था कि ताऊजी को किडनैप करके फंसाया जा रहा है।
जब तू इतना समझ गया है तो यह भी समझ गया होगा कि हम स्क्रैम्बलर लिए बिना यहां से जाने वाले नहीं हैं। चाहे उसके लिए हमको तेरी लाश ही क्यों न गिरानी पड़े।
ओह ताऊजी...
... तुम तो बात-बात में बन्दूक-पिस्तौल निकाल लेती हो। बस जिगसाजी एक बार अपनी शक्ल दिखा दें तो यह स्क्रैम्बलर मैं मुंह-दिखाई में दे दूंगा।
ज्यादा होशियारी नहीं ध्रुव! हमको बातों में मत उलझाओ। चुपचाप स्क्रैम्बलर हमारे हवाले कर दो वर्ना...
अब आप लोग तो मेरे कहने से तो कुछ करेंगे नहीं। तो मैं उनसे कहता हूं जो मेरी बात को मानते भी हैं, और मेरी भाषा भी समझते हैं।
चिं चीं चीं चीं। चूं चूं चिर्रा... चिर्रा!
ध्रुव के मुंह से निकली उस आवाज के जवाब में-
सुबह के आसमान में तैर रहीं बेशुमार चिड़ियां, एफिल टॉवर के ऊपर आ गईं-

चिड़ियों के लगातार हमलों ने मार्सेल और जिगसा के कसबल ढीले कर दिए–
अब बोल जिगसा! खुद नकाब उतारेगा, या चिड़ियों से उतरवा दूं?
उतारता हूं। उतारता हूं और बाप!
पहले चिड़ियों को तो रोको!
ध्रुव ने एक सीटी बजाकर चिड़ियों को रोक दिया, और–
जिगसा ने नकाब उतारने में एक पल की भी देर नहीं की–
ओहो! चेहरा तो बहुत खूबसूरत है तुम्हारा। लेकिन तुम हो कौन, और तुम्हारे चेहरे का कटपीस कैसे हो गया?
मेरा असली नाम सोटर है। मैं... मैं मार्सेल का भाई हूं। लूका का मामा। बचपन में एक जौहरी से चोरी करके भागते समय मैं अपने मुंह से खिड़की का कांच तोड़कर बाहर कूद पड़ा था...
... उसी से मेरा चेहरा जगह-जगह से कट गया था। बेशुमार टांके लगवाने पड़े, लेकिन फिर मेरे चेहरे पर कटने की लाइनें बची रह गईं। तभी से मेरे आदमियों ने मुझे 'जिगसा पज़ल' की तर्ज़ पर जिगसा कहना शुरू कर दिया।
धीरे-धीरे जब मेरा अपराध क्षेत्र फैलने लगा तो मुझे एक सुरक्षित जगह की ज़रूरत महसूस हुई। मेरी तलाश रघुपति की एस्टेट पर आकर रुक गई। क्योंकि एक तो वह एस्टेट काफी बड़ी और शान्त जगह पर थी...
... और दूसरे रघुपति के खानदान की पूरे इलाके में काफी इज़्ज़त थी। रघुपति को फंसाने के लिए मैंने अपनी बहन मार्सेल का सहारा लिया। मार्सेल ने रघुपति को अपने रूपजाल में फंसाकर उससे शादी कर ली...
... फिर भी मैंने तब तक इन्तज़ार किया, जब तक उनके एक बेटा नहीं हो गया। उसका नाम लूका रखा गया। जब लूका छः-सात साल का हुआ तब मैंने अपना जाल फैलाना शुरू कर दिया

रघुपति का बेटा लार्ड रघुवंशी बाहर रहकर पढ़ता था। इसीलिए रघुपति और उसके बाप को अंधेरे में रखकर मैंने अपना हैडक्वार्टर उसी स्टेट में बना लिया। गड़बड़ तब शुरू हुई जब अपनी पढ़ाई पूरी करके रघुवंशी वापस आया।
थोड़ा शक उसे हुआ और बाकी की कसर उसके दोस्त इंस्पेक्टर ल्यूबेक की पत्नी ने पूरी कर दी। लेकिन इससे पहले कि वह हम तक पहुंचते, ल्यूबेक को मैंने मरवा डाला, और उसकी हत्या का इल्जाम रघुवंशी पर लगवा दिया।
मार्वेल ने रघुवंशी को यह कहकर डरा दिया कि अगर वह पकड़ा गया तो उसे फांसी हो जाएगी। रघुवंशी डरकर भाग गया और आगे की कहानी तो तुम जानते ही हो। ...हुंह, हुंह!
हां! अब और आगे की कहानी मैं तुमको बताता हूं। तुम तीनों को मैं पुलिस के हवाले करने जा रहा हूं, और—
और फिर बाद में ल्यूबेक की स्टेट में—
सारी गुत्थियां सुलझ गईं! बस एक गुत्थी बाकी रह गई है। वह नकाब पोश कौन था?
उसका भी पता चल जाएगा बेटा पहले दादाजी को देखकर आते हैं। आओ!
लेकिन एक बात तो बताइए डाक्टर! जब आप पहले से ही जिब्रान की सच्चाई जानते थे तो फिर आपने मुझे बताया क्यों नहीं?
जल्दी ही तीनों दादाजी के पास खड़े थे—

कमाल है मेरे बच्चे! तू कैसे समझ गया कि मैं ही नकाबपोश था और पक्षाघात का रोगी होने की एक्टिंग कर रहा था!
यह बात तो रघुपति के अलावा और कोई नहीं जानता था!
मैं भी आपका ही पोता हूं दादाजी!...
...एक तो वह नकाबपोश मेरा दोस्त था, और दूसरे वह पुलिस तक को पूरी इमारत का चप्पा-चप्पा छानने के बाद भी नहीं मिला, यह दोनों बातें सिर्फ आप पर ही फिट होती थीं!
यह सोचकर मेरा सीना चौड़ा हुआ जा रहा है कि मेरा वारिस इतना बुद्धिमान और इतना जांबाज इन्सान है।
हम तो तुझे नहीं ढूंढ पाए लेकिन तूने ही हमें ढूंढ निकाला। अब तू आ गया है तो इस एस्टेट की देखभाल कर, और हमको रिटायरमेंट दे दे!
नहीं दादाजी! मेरा यहां पर रह पाना संभव नहीं है।
इन्सान को जिन्दगी तो भगवान देता है, लेकिन उसका पालन-पोषण तो पृथ्वी ही करती है। आप मेरे लिए भगवान के स्थान पर जरूर हैं...
...लेकिन मेरी पृथ्वी राजनगर है। मेरा स्थान उन लोगों के पास है जिन्होंने मुझे तब अपनाया, जब मेरा कोई नहीं था!
वैसे मैं आपलोगों से मिलने जल्दी-जल्दी आता ही रहूंगा...
...और आप लोग भी जब दिल चाहे, मेरे पास आ सकते हैं!
फिलहाल तो मुझे जल्दी से जल्दी राजनगर वापस पहुंचना है। न जाने मेरे पीछे से अपराधियों ने उसका क्या हाल कर दिया हो!
ठीक है ध्रुव! अगर किस्मत ने मिलाया तो फिर मिलेंगे।
बाय, वेरा!
और तुम्हारी मदद के लिए धन्यवाद!
भारत की तरफ वापस लौटते हुए ध्रुव इस बात से खुश भी था कि उसने अपना अतीत ढूंढकर अपने पिता पर लगे कलंक को धो डाला था–
और इस बात से उदास भी कि उसको अपने परिवार से दूर जाने को मजबूर होना पड़ रहा था–

समाप्त.